मंत्री पीयूष गोयल ने युवाओं को दिया मंत्र

एमपी लीड फेलो संग विकसित भारत पर संवाद, नवाचार और उद्यमिता को बढ़ावा देने पर जोर

नयी दिल्ली, 10 जुलाई. केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने एमपी लीड फेलो के साथ संवाद करते हुए युवाओं को नवाचार, सार्वजनिक सेवा और राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भागीदारी के लिए प्रेरित किया.

इस बातचीत में विकसित भारत 2047 के विजन, युवाओं की भूमिका और देश की आर्थिक प्रगति में उनकी भागीदारी जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से चर्चा हुई. पीयूष गोयल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर जानकारी साझा करते हुए कहा कि एमपी लीड फेलो के साथ संवाद के दौरान विकसित भारत की परिवर्तनकारी यात्रा को आगे बढ़ाने में युवाओं की जिम्मेदारी पर

> बैठक में मुक्त व्यापार समझौतों (एफटीए) से मिलने वाले अवसरों का लाभ उठाने, भारतीय कारोबारों को वैश्विक स्तर पर विस्तार देने और आर्थिक विकास को नई गति देने के उपायों पर भी चर्चा हुई. गोयल ने कहा कि सरकार, उद्योग और युवा शक्ति के संयुक्त प्रयासों से विकसित भारत 2047 के लक्ष्य को हासिल करने की दिशा में मजबूत कदम उठाए जा सकते हैं.

विचार-विमर्श किया गया. उन्होंने कहा कि युवा केवल भविष्य के नेतृत्वकर्ता नहीं हैं, बल्कि वर्तमान में भी देश के विकास की दिशा तय करने में अहम भूमिका निभा रहे हैं.

मंत्री ने फेलो को नए विचारों और तकनीकी समाधानों को अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया. उन्होंने कहा कि नवाचार और रचनात्मक सोच के माध्यम से भारत तेजी से आर्थिक विकास की ओर बढ़ सकता है. साथ ही उन्होंने युवाओं से सार्थक सार्वजनिक सेवा से जुड़कर समाज और देश के विकास में योगदान देने का आह्वान किया. संवाद के दौरान सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम (एमएसएमई) क्षेत्र की भूमिका पर भी विशेष चर्चा हुई. गोयल ने कहा कि एमएसएमई क्षेत्र रोजगार सृजन, उद्यमिता को बढ़ावा देने और समावेशी आर्थिक विकास को गति देने में महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है.

सेविंग अकाउंट के ब्याज को आईटीआर में छिपाना पड़ सकता है भारी

नयी दिल्ली, 10 जुलाई. इनकम टैक्स रिटर्न दाखिल करते समय कई लोग अपनी नौकरी, सावधि जमा और दूसरी आय की जानकारी तो दे देते हैं, लेकिन सेविंग अकाउंट से मिले ब्याज को बताना भूल जाते हैं. यह छोटी सी गलती आगे चलकर आयकर विभाग के नोटिस और जुर्माने का कारण बन सकती है. हालांकि, केवल ब्याज की जानकारी छूट जाने पर जेल नहीं होती. जेल जैसी कार्रवाई केवल जानबूझकर आय छिपाने या कर चोरी जैसे गंभीर मामलों में की जा सकती है.

बैंक खाते में मिलने वाला ब्याज भी कर योग्य आय के दायरे में आता है. इसे आयकर रिटर्न में 'अन्य स्रोतों से आय' के अंतर्गत दिखाना जरूरी होता है.

भारत-चीन सहयोग बढ़ाने पर राजदूतों की पहल

विक्रम दोरैस्वामी ने क्वानझोउ में की अहम बैठक

ऐतिहासिक रिश्तों को भविष्य सहयोग का आधार बताया

नयी दिल्ली, 10 जुलाई. भारत और चीन के बीच द्विपक्षीय संबंधों को नई गति देने के प्रयासों के तहत भारत के चीन में राजदूत विक्रम दोरैस्वामी ने गुरुवार को फुजियान प्रांत के क्वानझोउ में अहम बैठक की. उन्होंने क्वानझोउ के पार्टी सचिव झांग यिगोंग से मुलाकात कर व्यापार, निवेश और सांस्कृतिक सहयोग बढ़ाने के अवसरों पर चर्चा की.

दोनों पक्षों ने भारत और चीन के बीच संबंधों को मजबूत करने तथा आपसी सहयोग के नए रास्ते तलाशने पर जोर दिया.

बीजिंग स्थित भारतीय दूतावास ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर जानकारी साझा करते हुए बताया कि राजदूत दोरैस्वामी और झांग यिगोंग के बीच सौहार्दपूर्ण माहौल में बातचीत हुई. इस दौरान दोनों नेताओं ने द्विपक्षीय व्यापार को बढ़ावा देने, निवेश के अवसरों को विस्तार देने और सांस्कृतिक संबंधों को और मजबूत बनाने के उपायों पर विचार-विमर्श किया.

> राजदूत विक्रम दोरैस्वामी और भारत के महावाणिज्य दूत गिंस मैटम ने क्वानझोउ स्थित 7वीं सदी के प्रसिद्ध काइयुआन मंदिर का भी दौरा किया. मंदिर के मुख्य मोंक वेन शी दे शेंग ने उनका स्वागत किया. भारतीय दूतावास ने कहा कि काइयुआन मंदिर भारत और चीन के बीच लंबे समय से चले आ रहे सांस्कृतिक आदान-प्रदान का प्रतीक है. मंदिर की वास्तुकला और कला में चीनी परंपराओं के साथ प्राचीन भारतीय सांस्कृतिक प्रभावों की झलक दिखाई देती है.

वेकोलि की 7 खदानों को मिली 5-स्टार रेटिंग

नागपुर , 10 जुलाई. वेस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड ने वित्त वर्ष 2024-25 के लिए कोयला मंत्रालय द्वारा जारी स्टार रेटिंग मूल्यांकन में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए देश की सभी कोयला कंपनियों में सर्वाधिक 7 खदानों के लिए प्रतिष्ठित 5-स्टार रेटिंग अर्जित की है.

यह उपलब्धि सुरक्षित, वैज्ञानिक, पर्यावरण-अनुकूल एवं सतत् खनन के क्षेत्र में वेकोलि की उत्कृष्ट कार्यसंस्कृति तथा सर्वोच्च मानकों के प्रति वेकोलि की दृढ़ प्रतिबद्धता का परिचायक है. वेकोलि नागपुर क्षेत्र की पाटणसावंगी भूमिगत खदान, चंद्रपुर क्षेत्र की नांदगांव इंक्लाइन भूमिगत खदान, नागपुर क्षेत्र की सावनेर माइंस क्रमांक-1 भूमिगत खदान एवं सावनेर माइंस क्रमांक-2 भूमिगत खदान, उमरेड क्षेत्र की मकरधोकड़ा-1 ओपनकास्ट खदान तथा दिनेश/एमकेडी-द्वद्वद्व ओपनकास्ट खदान, और वणी क्षेत्र की मुंगोली ओपनकास्ट खदान को कोयला मंत्रालय द्वारा प्रतिष्ठित 5-स्टार रेटिंग प्रदान की गई है.इसी मूल्यांकन में वेकोलि की 25 खदानों को 4-स्टार रेटिंग तथा 15 खदानों को 3-स्टार रेटिंग प्रदान की गई है. इस उल्लेखनीय उपलब्धि पर सभी बधाई देते हुए वेकोलि के अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक डॉ. हेमंत शरद पांडे ने कहा, 'हमारी खदानों को देश में सर्वाधिक 5-स्टार रेटिंग प्राप्त होना वेकोलि के लिए अत्यंत गर्व का विषय है.

कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) : भारतीय रेलवे के लिए गेम चेंजर

नयी दिल्ली, 10 जुलाई. कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) आज पूरी दुनिया में काम करने के तरीकों को तेजी से बदल रही है. विपणन, आंकड़ों के विश्लेषण, खरीद प्रक्रिया से लेकर दैनिक संचालन तक लगभग हर क्षेत्र में कृत्रिम बुद्धिमत्ता का प्रभाव स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहा है.

बार-बार किए जाने वाले कार्यों को स्वचालित बनाकर, अनावश्यक प्रक्रियाओं को कम करके तथा तेज और सटीक विश्लेषण उपलब्ध कराकर कृत्रिम बुद्धिमत्ता संस्थानों की कार्यकुशलता, उत्पादकता और प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि कर रही है. विश्व के सबसे बड़े रेल नेटवर्कों में शामिल भारतीय रेल भी कृत्रिम बुद्धिमत्ता के व्यापक उपयोग से

अपनी परिचालन व्यवस्था, रखरखाव और वाणिज्यिक गतिविधियों को नई ऊंचाइयों तक पहुंचा सकती है.

रेलवे में कृत्रिम बुद्धिमत्ता का सबसे महत्वपूर्ण उपयोग पूर्वानुमान आधारित रखरखाव के क्षेत्र में किया जा सकता है. अत्याधुनिक सेंसर और कृत्रिम बुद्धिमत्ता तकनीक की सहायता से रेलवे पटरियों में आई दरारों, ट्रैक फिटिंग्स की कमी, पुलों की संरचनात्मक कमजोरियों, विशेष रूप से पुलों के पहुंच क्षेत्रों की स्थिति तथा पटरियों या अंडरपास के आसपास बढ़ते जलस्तर जैसी संभावित समस्याओं का समय रहते पता लगाया जा सकता है. इससे बड़ी तकनीकी खराबी या दुर्घटनाओं की संभावना को पहले ही कम किया जा सकता है.

कृत्रिम बुद्धिमत्ता केवल खराबियों की पहचान तक सीमित नहीं है, बल्कि यह उपलब्ध आंकड़ों का विश्लेषण कर रखरखाव कार्यों की बेहतर योजना बनाने, अतिरिक्त कल-पुर्जों और सामग्री के प्रभावी प्रबंधन, लागत नियंत्रण तथा समय पर आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है.

> कृत्रिम बुद्धिमत्ता रेलवे कर्मचारियों के लिए एक प्रभावी ज्ञान भंडार के रूप में भी कार्य कर सकती है. रखरखाव डिपो और ट्रेन संचालन से जुड़े कर्मचारियों को तकनीकी खराबियों के समाधान, मानक प्रक्रियाओं और अधिकृत पुस्तिकाओं के आधार पर तुरंत मार्गदर्शन उपलब्ध कराया जा सकता है. इससे निर्णय लेने की गति और गुणवत्ता दोनों में सुधार होगा. ऊर्जा संरक्षण के क्षेत्र में भी कृत्रिम बुद्धिमत्ता बेहद उपयोगी साबित हो सकती है. यह लोको पायलटों को बेहतर गति नियंत्रण और ईंधन उपयोग के सुझाव देकर ईंधन की खपत कम करने, ऊर्जा दक्षता बढ़ाने और ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन घटाने में सहायता कर सकती है.

एसबीआई फंड्स ने जुटाए 1,655 करोड़ रुपए

नयी दिल्ली, 10 जुलाई. देश की सबसे बड़ी परिसंपत्ति प्रबंधन कंपनी एसबीआई फंड्स मैनेजमेंट ने शेयर बाजार में सूचीबद्ध होने से पहले 30 बड़े निवेशकों से 1,655 करोड़ रुपये जुटा लिए हैं. कंपनी का सार्वजनिक निर्गम 14 जुलाई को आम निवेशकों के लिए खुलेगा.

इस निर्गम के जरिए कंपनी करीब 11,692 करोड़ रुपये जुटाने की योजना बना रही है. यह इस साल के सबसे बड़े सार्वजनिक निर्गमों में शामिल होगा.

एसबीआई फंड्स मैनेजमेंट के शेयर खरीदने वालों में कई बड़े निवेशक शामिल हैं. इनमें 3पी इंडिया इक्विटी फंड प्रथम, मालाबार इंडिया फंड, टाटा एआईजी जनरल इंश्योरेंस कंपनी, गो डिजिट जनरल इंश्योरेंस और आनंद राठी ग्लोबल फाइनेंस जैसे नाम शामिल हैं. इन निवेशकों ने कंपनी के शेयर तय मूल्य दायरे के ऊपरी स्तर पर खरीदे हैं. इससे पता चलता है कि बड़े निवेशकों का कंपनी और उसके भविष्य को लेकर भरोसा बना हुआ है.

भारतीय स्टेट बैंक ने शेयर बाजार को जानकारी दी है कि उसने 9 जुलाई को शेयर बिक्री के लिए समझौते किए. इसके तहत एसबीआई फंड्स मैनेजमेंट के 2,88,32,748 शेयर बेचे गए.

एनएसई के क्रूड ऑइल ऑप्शंस में प्रीमियम कारोबार

भोपाल, 10 जुलाई. नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) के क्रूड ऑइल ऑप्शंस में 9 जुलाई, 2026 को अब तक का सबसे बड़ा कारोबार दर्ज किया गया. इस दिन प्रीमियम टर्नओवर 2,006.49 करोड़ रुपए रहा, जो अब तक का सबसे बड़ा आँकड़ा है.

इसी दिन 47,33,862 कॉन्ट्रैक्ट्स में ट्रेडिंग हुई, जो एक नया रिकॉर्ड है. वहीं, कारोबार के दौरान ओपन इंटरेस्ट भी पहली बार 1,14,000 से ज्यादा कॉन्ट्रैक्ट्स तक पहुँच गया. ये आँकड़ें बताते हैं कि अब ज्यादा से ज्यादा निवेशक और ट्रेडर्स क्रूड ऑइल ऑप्शंस का इस्तेमाल कीमतों में होने वाले उतार-चढ़ाव से बचाव और अपनी ट्रेडिंग स्ट्रेटेजी के लिए कर रहे हैं.

बाजार से मिले सुझावों के बाद एनएसई ने 6 नवंबर 2025 से क्रूड ऑइल ऑप्शंस की एक्सपायरी में बदलाव किया था. पहले इसकी एक्सपायरी संबंधित फ्यूचर्स कॉन्ट्रैक्ट की एक्सपायरी से दो कारोबारी दिन पहले होती थी, जिसे बढ़ाकर सात कारोबारी दिन पहले कर दिया गया. यह बदलाव इसलिए किया गया, ताकि ट्रेडर्स को ट्रेडिंग के लिए ज्यादा फ्लेक्सिबिलिटी मिले, जोखिम को बेहतर तरीके से संभालने का मौका मिले और बदलते बाजार के हिसाब से ट्रेडिंग करना आसान हो सके.इस बदलाव के बाद से क्रूड ऑइल ऑप्शंस में कारोबार लगातार बढ़ा है.

प्रीमियम कारोबार, ट्रेडिंग वॉल्यूम और ओपन इंटरेस्ट जैसे सभी प्रमुख आँकड़ों में लगातार बढ़ोतरी देखने को मिली है. इससे यह स्पष्ट है कि इस प्रोडक्ट पर निवेशकों और ट्रेडर्स का भरोसा लगातार मजबूत हो रहा है.इससे पहले 9 जून, 2026 को क्रूड ऑइल ऑप्शंस की एक्सपायरी के दिन भी उत्कृष्ट कारोबार देखने को मिला था.

एग्रीकल्चर इंश्योरेंस को इम्पैक्ट लीडरशिप अवॉर्ड

नई दिल्ली, 10 जुलाई. एग्रीकल्चर इंश्योरेंस कंपनी ऑफ इंडिया लिमिटेड, भारत की अग्रणी विशिष्ट कृषि बीमा कंपनी, को समावेशी, प्रौद्योगिकी-संचालित एवं किसान-केंद्रित बीमा

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने प्रदान किया सम्मान

समाधानों के माध्यम से भारतीय कृषि क्षेत्र को सुदृढ़ करने और किसानों को व्यापक जोखिम संरक्षण प्रदान करने में उत्कृष्ट योगदान के लिए 17वें एग्रीकल्चर

लीडरशिप अवॉर्ड्स 2026 में प्रतिष्ठित 'इम्पैक्ट लीडरशिप अवॉर्ड' से सम्मानित किया गया है।

भारत सरकार के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कंपनी की अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक (सीएमडी) डॉ. लावण्या आर. मुंडायूर को यह पुरस्कार प्रदान किया। यह सम्मान प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना (पीएमएफबीवाई) और पुनर्गठित मौसम आधारित फसल बीमा योजना (आरडब्ल्यूबीसीआईएस) के प्रभावी क्रियान्वयन के माध्यम से लाखों किसानों को वित्तीय सुरक्षा एवं जोखिम संरक्षण उपलब्ध कराने में एआईसी के उल्लेखनीय एवं परिवर्तनकारी योगदान का प्रमाण है। फसल बीमा से आगे बढ़ते हुए, एआईसी ने पशुधन, जलीय कृषि, पोल्ट्री, झींगा पालन तथा अन्य संबद्ध कृषि क्षेत्रों के लिए अभिनव बीमा समाधानों के माध्यम से अपने जोखिम संरक्षण के दायरे का विस्तार किया है।

समाचार विशेष

ममता की राजनीति का अंतिम अध्याय रास उपचुनाव?

कोलकाता. पश्चिम बंगाल की राजनीति इस समय ऐसे मोड़ पर है. जहां से ममता बनर्जी और उनकी पार्टी टीएमसी का भविष्य तय हो सकता है. राज्यसभा की तीन खाली सीटों पर होने वाले उपचुनाव ने सियासी गलियारों में हलचल मचा दी है.

सुखेंदु शेखर रॉय, सुष्मिता देव और प्रकाश चिक बड़ाईक के इस्तीफे के बाद खाली हुई इन सीटों पर 24 जुलाई को मतदान होगा. चुनाव आयोग ने इसका नोटिफिकेशन जारी कर दिया है. अब सवाल यह है कि क्या ममता बनर्जी की पार्टी टीएमसी इस लड़ाई में अपनी ताकत दिखाएगी या फिर चुनावी मैदान से पूरी तरह से किनारा कर लेगी ?

2026 के विधानसभा चुनाव में मिली करारी हार के बाद से ही तृणमूल कांग्रेस संगठन के स्तर पर बुरी तरह लड़खड़ा गई है. पार्टी के भीतर मची बगावत नेताओं का लगातार बीजेपी की ओर रुख करना और इस्तीफों की झड़ी ने ममता बनर्जी के साम्राज्य को अंदर से खोखला कर दिया है. जानकारों का कहना है कि विधानसभा में टीएमसी के पास अब पर्याप्त विधायक ही नहीं बचे हैं कि वे मजबूती से अपना उम्मीदवार उतार सकें. दूसरी तरफ बीजेपी के नेतृत्व वाला एनडीए गठबंधन बंगाल विधानसभा में एक निर्णायक स्थिति में है. माना जा रहा है कि अगर टीएमसी ने उम्मीदवारी पेश की भी तो भी बीजेपी की जीत लगभग पक्की है.

संसद में एनडीए का बढ़ता दबदबा- बीजेपी के लिए यह सिर्फ एक उपचुनाव नहीं बल्कि राज्यसभा में अपनी ताकत को दो-तिहाई बहुमत तक पहुंचाने का एक बड़ा मौका है. अगर एनडीए इन तीनों सीटों को अपने नाम कर लेती है तो संसद में सरकार की स्थिति बेहद मजबूत हो जाएगी. मानसून सत्र के दौरान सरकार कई अहम बिल पास कराने की योजना बना रही है. जिसमें संविधान (131वां संशोधन) बिल और परिसीमन बिल जैसे बड़े मुद्दे शामिल हैं.

बिखराव का दंश झेल रही है तृणमूल

तृणमूल कांग्रेस के लिए इन तीन सीटों का खाली होना किसी बड़े झटके से कम नहीं है. पार्टी की आंतरिक कलह इस हद तक बढ़ गई है कि बड़े-बड़े दिग्गज नेता अब 'दो नावों पर सवार' नहीं रहना चाहते. सुखेंदु शेखर रॉय और सुष्मिता देव का इस्तीफा टीएमसी की उस कड़वी सच्चाई को बयां करता है. जहां नेता अब ममता के साथ रहने के बजाय बीजेपी के केंद्रीय नेतृत्व को अधिक सुरक्षित विकल्प मान रहे हैं. राजनीतिक पंडितों का मानना है कि टीएमसी का यह बिखराव केवल राज्य तक सीमित नहीं है, बल्कि यह केंद्र में भी पार्टी की आवाज को लगातार कमजोर कर रहा है.

आरजेडी ने रेखा गुप्ता पर जताया भरोसा

बांकीपुर उपचुनाव : नितिन नवीन के इस्तीफे से खाली है सीट

पटना. पटना की हाई-प्रोफाइल बांकीपुर विधानसभा सीट पर होने वाले उपचुनाव के लिए राष्ट्रीय जनता दल (राजद) ने रेखा कुमारी उर्फ रेखा गुप्ता को अपना उम्मीदवार घोषित कर दिया है.

राजद प्रदेश अध्यक्ष मंगनी लाल मंडल ने पार्टी कार्यालय में आयोजित प्रेस वार्ता के दौरान इसकी घोषणा करते हुए कहा कि पिछले विधानसभा चुनाव में भी रेखा गुप्ता महागठबंधन की उम्मीदवार थीं और उन्होंने लगभग 47 हजार वोट हासिल कर दूसरा स्थान प्राप्त किया था. पार्टी ने उनके प्रदर्शन और क्षेत्र में सक्रियता को देखते हुए एक बार फिर उन पर भरोसा जताया है. इस दौरान मंडल ने महागठबंधन में सीट को लेकर किसी भी तरह

के मतभेद की खबरों को खारिज करते हुए कहा कि सभी सहयोगी दल एकजुट होकर चुनाव लड़ेंगे. बांकीपुर सीट भाजपा नेता नितिन नवीन के राज्यसभा सदस्य चुने जाने के बाद रिक्त हुई है और इसे बिहार की सबसे चर्चित चुनावी सीटों में माना जा रहा है. मंगनी लाल मंडल ने कहा, बिहार विधानसभा चुनाव 2025 में रेखा कुमारी गुप्ता महागठबंधन की उम्मीदवार थीं.

> **महागठबंधन पूरी तरह एकजुट**
> महागठबंधन के भीतर सीट को लेकर कांग्रेस के दावे संबंधी सवाल पर मंगनी लाल मंडल ने किसी भी तरह के मतभेद से इनकार किया. उन्होंने कहा कि महागठबंधन पूरी तरह एकजुट है और सहयोगी दलों के बीच किसी प्रकार का विवाद नहीं है. उन्होंने कहा, हम लोग एक हैं और मिलकर चुनाव लड़ेंगे. दरअसल बांकीपुर विधानसभा सीट भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन के राज्यसभा सदस्य निर्वाचित होने के बाद रिक्त हुई है. निर्वाचन आयोग की ओर से उपचुनाव की अधिसूचना जारी किए जाने के साथ ही नामांकन प्रक्रिया शुरू हो चुकी है.

उन्हें करीब 47 हजार वोट मिले थे और वह दूसरे स्थान पर रही थीं.

पंजाब की राजनीति में जद(यू) की एंट्री

चंडीगढ़. बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री नीतिश कुमार के नेतृत्व वाली जनता दल (यूनाइटेड) ने शनिवार को पंजाब की राजनीति में औपचारिक तौर पर प्रवेश करते हुए आगामी विधानसभा चुनाव लड़ने का ऐलान किया.

चंडीगढ़ प्रेस क्लब में आयोजित प्रेस वार्ता में पार्टी के पंजाब प्रभारी संजय कुमार ने कहा कि जद(यू) पंजाब में विकास, सुशासन और पारदर्शिता आधारित राजनीति का विकल्प बनकर उभरेगी. पार्टी ने संगठन के विस्तार की घोषणा करते हुए मलविंदर सिंह को पंजाब प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त किया. इसके साथ ही गुरपाल सिंह हुंडल को उपाध्यक्ष, आईएस. आहलूवालिया को सचिव जनरल, संजीव झा को महासचिव (संगठन) और कंवर सिंह ढींडसा को कोर कमेटी का प्रमुख सदस्य बनाया गया. पार्टी ने बूथ स्तर तक संगठन मजबूत करने और राज्यव्यापी सदस्यता अभियान चलाने का भी फैसला किया. संजय कुमार ने कहा कि जद(यू) का मुख्य फोकस रोजगार सृजन, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, कृषि सुधार, बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं, पारदर्शी प्रशासन, महिला सशक्तिकरण और सामाजिक कल्याण रहेगा. उन्होंने दावा किया कि बिहार समेत कई राज्यों में सुशासन के अनुभव के आधार पर पार्टी पंजाब में भी लोगों का विश्वास हासिल करेगी.

विशेष | जालंधर कैंट के विधायक परगट सिंह की नई पारी

हॉकी स्टिक से राजनीति के मैदान तक

चंडीगढ़. साल 1985 का था, ऑस्ट्रेलिया के पर्थ शहर में भारत और जर्मनी के बीच हॉकी का एक ऐतिहासिक खेल रहा था. 6 मिनट बाकी थे और स्कोर था भारत 1 और जर्मनी 5.. किसी को उम्मीद नहीं थी कि भारत यहां से वापसी कर सकती है,. लेकिन तभी 20 साल के एक डिफेंडर ने मात्र 6 मिनट में वो कर दिखाया, जिसने उन्हें केवल भारत का ही नहीं बल्कि दुनिया के बेहतर डिफेंडर में से एक बना दिया. ये शख्स थे वर्तमान में जालंधर कैंट से कांग्रेस विधायक परगट सिंह.

प्रगट सिंह ने मैदान पर हॉकी स्टीक से मोर्चा संभाला, और मात्र 6 मिनट में एक के बाद एक 4 गोल दागे, जिससे स्कोर हो गया 5-5.. एक करारी शिकस्त को परगट सिंह के तेज तर्रार खेल ने ड्रॉ मैच बना दिया. लेकिन. भले ही भारत से मैच जीत नहीं सका था मगर परगट सिंह को दुनिया ने पहचान लिया था. और वो पहचान आज भी बरकरार है, खेल के मैदान को छोड़ा तो उतर गए राजनीति के मैदान में.. और विपक्षियों को ऐसी पटखनी दी कि प्रतिद्वंदि चारों खाने चित्त हो गए.. परगट सिंह का हॉकी में जो योगदान दिया है, उससे नाम स्वर्णिम अक्षरों में लिखा जायेगा. 5 मार्च 1965 को पंजाब के जालंधर के मीठापुर गांव में जन्में परगट सिंह ने अपने खेल के जरिये बताया कि आखिर क्यों पंजाब खिलाड़ियों का राज्य कहलाता है. उनके पिता का नाम गुरदेव सिंह पोवार था और माता का नाम नसीब कौर था. स्कूल में ही हॉकी में रूचि रखने वाले परगट सिंह 5 फीट 11 इंच के है, उनकी हाइट के कारण हॉकी टीम में उन्हें जल्द जगह मिल गई. उन्होंने लायलपुर खालसा कॉलेज से स्नातक की पढ़ाई पूरी की थी. परगट सिंह को उनके फीजिक और फिटनेस के कारण खेल कोटा से ही 1990 के दशक के शुरुआत में एसपी पद दिया गया था और वो राजनीति में आने से पहले इस पद पर बने हुए थे. 2003 में परगट सिंह जालंधर की सुरजीत सिंह मेमोरियल हॉकी टूर्नामेंट सोसाइटी के उपाध्यक्ष चुने गए थे. 2012 में शिरोमणी अकाली दल से जालंधर छावनी विधानसभा क्षेत्र के लिए उम्मीदवार घोषित किया गया था उन्होंने राजनीति में आते ही अपना दम दिखाना शुरु कर दिया कांग्रेस के जगबीर सिंह बराड़ को उन्होंने शिकस्त देकर जीत हासिल की.. और वो पंजाब विधानसभा के सदस्य बने थे.

> **सिद्धू और बैंस बंधुओं के साथ खुद को एकजुट किया**
> जिसके बाद उन्होंने पूर्व क्रिकेटर नवजोत सिंह सिद्धू और बैंस बंधुओं के साथ खुद को एकजुट किया और एक नई राजनीतिक मंच आवाज ए पंजाब की नींव रखी थी. इसी साल 28 नवंबर 2016 को उन्होंने औपचारिक रूप से दिल्ली में कांग्रेस पार्टी की सदस्यता ले ली थी, जिसके बाद 2017 में फिर से जालंधर कैंट निर्वाचन क्षेत्र से कांग्रेस विधायक चुने गए, और वर्तमान में भी वो वहीं से विधायक है. 2022 में आप की बहुमत के बाद भी उनकी सीट को कोई फर्क नहीं पड़ा जो उनकी लोकप्रियता की कहानी बताती है. जनता के बीच उनकी अहमियत बताती है.